RAJ KUMAR MAURYA
Assistant Professor, Political Science
G.J. College, Rambagh, Bikta,
Patna.
B.A. I Year (H.) Paper - II
Political Science

विषय - रुस की प्रतिनिधि सभा (ड्यूमा) / Russia's State Duma

ड्यूमा रुस की संघीय सभा का निम्न सदन या प्रतिनिधि सदन है। चूँकि इसके सदस्य जनता द्वारा निर्वाचित होते है अत: यह बहुत शक्तिशाली सदन है। ड्यूमा की कुल सदस्य संख्या 450 है। इसके सदस्यों का निर्वाचन दो पद्धतियों के अनुसार किया जाता है।

I ⇒ सूची प्रणाली

II ⇒ सामान्य प्रादेशिक निर्वाचन प्रणाली

ड्यूमा के 225 सदस्यों का निर्वाचन सूची प्रणाली से और 225 सदस्यों का निर्वाचन प्रादेशिक निर्वाचन प्रणाली के द्वारा होता है।

Scanned with CamScanner

रूस का कोई भी नागरिक जो 18 वर्ष या उससे अधिक का है, वह ड्यूमा के लिए मतदान का अधिकारी है।

ड्यूमा का चुनाव लड़ने के लिए रूसी नागरिकों का कम से कम 21 वर्ष का होना अनिवार्य है।

ड्यूमा को पर्याप्त विधायी शक्तियाँ है, रूसी विधानमण्डल में कोई भी विधेयक सबसे पहले ड्यूमा में प्रस्तुत किया जाता है। यदि ड्यूमा द्वारा पारित किसी विधेयक को संघीय परिषद या राष्ट्रपति अस्वीकृत कर देते है तो इस स्थिति में यदि ड्यूमा अपने कुल सदस्य संख्या के 2/3 बहुमत से पुनः विधेयक पारित कर देता है तो यह विधेयक राष्ट्रपति एवं संघीय परिषद की स्वीकृति के बिना भी कानून बन जाएगा। इस तरह से हम देखे तो कानून निर्माण की दृष्टि से रूस का सबसे शक्तिशाली सदन ड्यूमा ही है।

Scanned with CamScanner

कानून निर्माण सम्बन्धी व्यापक शक्तियां होने के साथ ही साथ ड्यूमा कार्यपालिका पर पर्याप्त नियन्त्रण रखता है। ड्यूमा के सदस्य Government Hours में रूसी प्रधानमन्त्री व उसके मन्त्रियों से प्रश्न पूछ सकते है, इन प्रश्नों का उत्तर सम्बन्धित पदाधिकारियों को देना पड़ता है। रूस में राष्ट्रपति को प्रधानमन्त्री को ~~राष्ट्रपति~~ नियुक्त करने की शक्ति प्राप्त है किन्तु इसके लिए आवश्यक है कि ड्यूमा राष्ट्रपति द्वारा मनोनित व्यक्ति को अपना अनुमोदन प्रदान करे। ड्यूमा को यह शक्ति प्राप्त है कि वह लगातार तीन बार रूसी राष्ट्रपति के द्वारा प्रस्तावित व्यक्ति को अनुमोदन करने से इन्कार कर सकता है।

ड्यूमा के पास सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित करने का अधिकार भी है, रूसी राष्ट्रपति के पास यह अधिकार है कि वह इस अविश्वास प्रस्ताव को अस्वीकार कर सकते हैं, लेकिन अगर यह सदन

Scanned with CamScanner

लगातार तीन महीने में तीन बार अविश्वास प्रस्ताव पारित कर दे तो राष्ट्रपति को या तो सरकार को बर्खास्त करना पड़ता है या ड्यूमा को भंग करना पड़ता है।

ड्यूमा के पास सरकार के द्वारा प्रस्तावित बजट को अस्वीकार करने तथा अपने द्वारा प्रस्तावित बजट को लाने का अधिकार होता है। ड्यूमा में ही रूस का बजट प्रस्तावित होता है व ड्यूमा के द्वारा पारित होता है। ड्यूमा द्वारा ही रूसी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष की नियुक्ति व पदमुक्ति किया जाता है।

राष्ट्रपति के ऊपर महाभियोग प्रस्ताव को लाने और उसे पारित करने का अधिकार ड्यूमा के पास है। राजनीतिक अपराधियों को माफी देने का अधिकार भी ड्यूमा के पास है।

यदि रूसी राष्ट्रपति अपनी अपातकालीन शक्ति का प्रयोग करता है तो उस की

Scanned with CamScanner

घोषणा करता है, तो उसे उसकी सूचना अनिवार्य रूप से ड्यूमा को देना पड़ता है। ड्यूमा को रूसी संविधान में संशोधन की शक्ती भी प्राप्त है। ड्यूमा को रूसी मानवाधिकार आयोग के सदस्यों की नियुक्ति एवं पदमुक्ती का अधिकार है। ड्यूमा के द्वारा रूसी निर्वाचन आयोग में 15 में से 5 सदस्यों को नियुक्त करने का अधिकार है।

Scanned with CamScanner